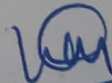


15/10/19

पत्रावली प्रस्तुत की गई। वकील वादी एवं प्रतिवादी को बार-बार आवाज लगाई गई। इसके बखजूद न तो वकील वादी एवं प्रतिवादी उपस्थित हुए एवं न ही स्वयं वादी एवं प्रतिवादी गए। अतः चूंकि दोनों में से कोई पक्षकार वाद की सुनवाई के लिए पुरकार होने पर न्यायालय के समक्ष उपसंजान नहीं हुए, वाद को सि.प्र. सं., 1908 के आदेश 9 नियम 3 के तहत खारिज किया जाता है। पत्रावली फैसल शुमार होकर वाद तकमील नंबर से कम होकर दाखिल दफतर हो।


15/10/19

